

STATEMENT BY MINISTER**Status of implementation of recommendations contained in the Twenty-fifth
report of department-related Parliamentary Standing Committee
on Information Technology**

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY (DR. (SHRIMATI) KRUPARANI KILLI): Sir, I lay a statement regarding status of implementation of recommendations contained in the Twenty-fifth Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Information Technology on "Disbursement of wages to Labourers under Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act by Post Offices" pertaining to the Department of Posts, Ministry of Communications and Information Technology.

MATTER RAISED WITH PERMISSION

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, we shall take up the matters to be raised with permission—Zero Hour. Shri K.N. Balagopal; not present. Now, Shri Prakash Javadekar.

**Recent suicides committed by students for formation
of separate Telangana State**

श्री प्रकाश जावडेकर (महाराष्ट्र): सर, नवम्बर महीने में तेलंगाना क्षेत्र के एक जिले में तेलंगाना की मांग के लिए दो छात्रों ने आत्महत्या की है। आत्महत्याओं का यह दौर लगातार बढ़ा रहा है। सर, वहां पिछले तीन सालों में लगभग 50 से ज्यादा आत्महत्याएं हुई हैं। आपको पता है, तेलंगाना का आन्दोलन 40 सालों से चल रहा है, उस आन्दोलन में 700 से ज्यादा लोग या तो पुलिस की गोली के शिकार हुए हैं या उन्होंने आत्महत्याएं की हैं। तेलंगाना के क्षेत्र के लोगों ने बहुत बड़ा बलिदान दिया है, वहां बहुत बड़ा आन्दोलन चला है। वहां के लोगों ने लोकतंत्र के माध्यम से जनभावनाओं का प्रकटीकरण जितना भी हो सकता है, वह किया है, लेकिन यह कांग्रेस-नीत यूपीए की सरकार है जो उनकी आवाज नहीं सुनती है।

इन 40 सालों तक चले आन्दोलन में से केवल 3 साल का उल्लेख में कर रहा हूं। पिछले तीन सालों में इन 50 युवकों ने जो आत्महत्याएं की हैं, उसके लिए पूरी तरह से यूपीए सरकार जिम्मेवार है, क्योंकि 9 दिसम्बर, 2009 को उस समय के गृह मंत्री पी. चिदम्बरम जी ने यह कहा "That a process of formation of separate State of